* R R - 0 2 2 0 / 2 6 0 0 *

RR-0220

Third Year B. A. Examination

March / April – 2010

Hindi : Paper-IV

(प्रादेशिक भाषा – साहित्य)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **T. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : 4**

☛ Subject Code No. : **0 2 2 0** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ अनुगांधी युग की विशेषताओं की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

१ गांधी युग की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए साहित्य के क्षेत्र में गांधीजी के योगदान की चर्चा कीजिए । १४

२ ''अमृता एक आदर्श प्रेमिका, प्रकृति प्रेमी कर्मठ और निर्भीक है'' – इस कथन के परिप्रेक्ष्य में अमृता की चारित्रिक विशेषताओं की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

२ '''अमृता' उपन्यास में अर्वाचीन भारतीय संस्कृति, प्राचीन भारतीय और आधुनिक पाश्चात्य संस्कृति के बीच का संघर्ष निरूपित हुआ है'' – समीक्षा कीजिए । १४

३ ''नरसिंह मेहता विनम्र फिर भी स्वाभिमानी, निर्भय एवं निश्चल भक्तराज है'' – इस कथन को केन्द्र में रखकर नरसिंह मेहता के चरित्र की विशेषताओं का परिचय दीजिए । १४

अथवा

३ 'कुँवरबाईनुं मामेरुं' में व्यक्त रस–सृष्टि का परिचय दीजिए । १४

४ टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(अ) अनिकेत का चरित्र ।

अथवा

(अ) 'अमृता' शीर्षक की सार्थकता ।

(ब) 'कुँवरबाईनुं मामेरुं' में कुँवरबाई का चरित्र ।

अथवा

(ब) 'कुँवरबाईनुं मामेरूं' शीर्षक ।

५ टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(क) नर्मद का सामान्य परिचय ।

अथवा

(क) गोवर्धनराम त्रिपाठी का साहित्यिक योगदान ।

(ख) दलपतराम का साहित्यिक योगदान ।

अथवा

(ख) कवि कलापी ।